

and we raise it here. So, what I want to know is, is it true that the Government of India feels that these two temples should break down, because the committee that has been appointed to look after specifically the Konark temple is not doing its job? And the result is, many of the important figures that are there are either falling out or getting spoiled. Sir, regarding the appeal to the UNESCO to send a team here certainly no one would quarrel with that, if we are not able to do it with our expertise, with our people here. Sir, I may bring to the notice of the hon. Minister that this temple was constructed at one time inside the sea. The then Dewan of Orissa, Sibai San-tara, was constructing it in such a fashion that an old lady had to tell him as to how it had to be constructed. He was throwing the stones into the sea and he was told that, that was not the way. That is what the lady had to say and it was stated that we had to start the building from the shore and, ultimately, Sir, it was built that way. Therefore, the fear that the salinity of this region is the cause for this not correct and that is not the real cause. The real cause is this: Nobody goes there. Therefore, what I want to know from the Minister is this: Nobody is going there for inspection and nobody is going there for maintenance. I want to know from the honourable Minister whether he is taking the help of the local people who are in the habit of preparing these idols at the moment also and these idols are being sold in the international market at fabulous prices. So, these people know it. When the UNESCO team goes there, I have a fear that they may take away some of these idols under the pretext of examining them and finding out what has happened to them. This is the genuine fear because, Sir, on many occasions, so many experts have come and taken such pieces out of this with the result some of these are not there . . . . (Interruptions) . . . .

MR. CHAIRMAN: You are going on speaking.

SHRI LAKSHMANA MAHAPATRO: My question is this. Would he send a team or would he have a team permanently there and also see that inspections are conducted very frequently and also see that when the UNESCO people come there, they do not take away these pieces or disfigure them any further?

May I also know, Sir, after the particular stone, about which we had raised an issue in this House, had fallen, how many times this Committee inspected or how many times the experts have gone there and inspected these pieces?

DR. PRATAP CHANDRA CHUN-DER: Sir, the repair work is a continuing process and regularly that is being done. Certain officers have inspected the temple and, apart from that, the top officers like the Director-General also saw this. I myself have visited the Konark Temple.

SHRI KALYAN ROY: How many times have they inspected?

DR. PRATAP CHANDRA CHUN. DER: Sir, I must record my protest that a responsible Member of this House should cast aspersions on the UNESCO that the relics would be taken away from the Temple. This is very wrong.

SHRI KALYAN ROY: Sir, he has not answered the question.

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Mathur.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : श्रीमन् शायद माननीय मंत्री जी को इस बात का जानकारी है कि पुरी के मंदिर में हिन्दुओं के अलावा किसी दूसरे को घूमने नहीं दिया जाता है। इस संबंध में मेरे सामने एक घटना घटित हुई है। दो महीने पहले मेरे एक बंगाल के मित्र अपना अमेरिकन पत्नी को लेकर पुरी

का मंदिर देखने के लिए गये, लेकिन उनको अन्दर नहीं घुसने दिया गया और उनका अपमान किया गया। ऐसी स्थिति में मैं जानना चाहता हूँ कि यूनेस्को से ग्राने वाली टीम को कब वहाँ घुसने दिया जाएगा ?

श्री रामानन्द यादव : ऐसी हालत में आपने वहाँ पर घरना क्यों नहीं दिया ?

श्री जगदीश प्रताप माथुर : मैं वहाँ पर नहीं था।

मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस प्रकार की स्थिति में अगर यूनेस्को से ग्राने वाली एक्सपर्ट टीम को वहाँ नहीं जाने दिया गया तो क्या सरकार इस संबंध में वहाँ के प्रबन्धकों से कोई बातचीत करेगा ? मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार वहाँ के प्रबन्धकों से कहेगी कि सिर्फ धर्म के आधार पर किसी पर भी मंदिर में जाने पर पाबन्दा नहीं लगाई जानी चाहिए ? तोसरा सवाल मेरा यह है कि आप जानते हैं कि कोणार्क के मंदिर के तीन दरवाजे बन्द पड़े हुए हैं और उनको बन्द पड़े हुए काफी समय हो गया है और यह कहा जाता है कि बिल्डिंग के गिर जाने के कारण से उनको खोला नहीं गया है। ऐसी स्थिति में क्या आप उनको खोलने की व्यवस्था करेंगे और क्या यूनेस्को की एक्सपर्ट टीम से इस संबंध में कोई राय ली जायेगी ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : श्रीमन्, जब इस तरह की कोई घटना होती और यूनेस्को के प्रतिनिधियों को मंदिर में घुसने नहीं दिया जाएगा तो उस वक्त हम सोचेंगे कि इस बारे में क्या किया जा सकता है। जहाँ तक कोणार्क का सवाल है, इसका मूल सवाल से ताल्लुक नहीं है। इस संबंध में उनके जो सुझाव होंगे, उसके मुताबिक हम काम करेंगे।

डा० लोकेश चन्द्र : श्रीमन्, माननीय मंत्री जी संभवतः यह जानते होंगे कि कोणार्क

मन्दिर को प्रतिदिन समुद्र के पानी से धोया जाता है। मैं वहाँ पर स्वयं गया हूँ ...

श्री जगदीश प्रताप माथुर : श्रीमन्, मैंने यह पूछा है कि क्या सरकार वहाँ के प्रबन्धकों से यह कहेगी कि धर्म के आधार पर लोगों को मंदिर में जाने से नहीं रोका जाएगा ?

DR. PRATAP CHANDRA CHUN. DER: If a situation like that occurs when the UNESCO delegation comes, we should consider what is to be done. We cannot take any decision beforehand.

डा० लोकेश चन्द्र : कोणार्क को प्रति दिन पानी से धोया जाता है। जब मैं वहाँ गया तो मैंने उनसे पूछा कि यह पानी कहाँ से आता है। उन्होंने कहा कि वे समुद्र के पानी से प्रति दिन उसको धोते हैं। एक तो समुद्र का नमकीन पानी वैसे ही उसका नाश कर रहा है और दूसरा पुरातत्व विभाग आलस्य के कारण वहाँ कुंआ नहीं खोद रहा है। समुद्र के पानी से धोने के कारण कोणार्क का विनाश दिनों दिन होगा। इसलिये क्या मंत्री महोदय यह अप्रवासन देंगे कि वहाँ एक कुंआ खोदा जायेगा और उसके पानी से मंदिर को धोया जायेगा और समुद्र के पानी से कोणार्क को नहीं धोया जायेगा जिससे कि उसकी सुरक्षा हो सके ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : यह मेरे लिये नई खबर है कि समुद्र के पानी से धोया जाता है। मैं इस पर जांच करवाऊंगा।

श्री रामानन्द यादव : सभापति जी, यह सर्वविदित है कि समुद्र के किनारों पर हिन्दुओं के जितने बड़े बड़े धार्मिक स्थान हैं और देवी देवता हैं प्रति दिन उनके स्थान के लिये पुराने लोग गंगा का जल सैकड़ों हजारों मील से ले जाते थे और उससे प्रति दिन मंदिर धोया जाता था और उससे वहाँ देवी-देवता